भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

फरवरी 2025 के द्‌वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल

नर्सरी

- यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण दिखाई दे तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी घोल 800 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें या लामब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% ईसी घोल 200 मिली /एकड़ की दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम /एकड़ की दर से छिड़काव करें।
- यदि धान की नर्सरी में पौध अंगमारी रोग देखने को मिलती है, तो कार्बेन्डाजिम 400 ग्राम प्रति एकड़ या प्रोपिकोनाजोल 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर डालें।

मुख्य खेत में रोपाई की जानी वाली फसल

- 3-5 सप्ताह वाली पौधों को कीचड़दार की गई खेत में 15 सेमी × 15 सेमी की दूरी पर 3-4 पौधा प्रति पूंजा कम गहराई पर रोपें।
- नर्सरी में प्रध्वंस रोग होने की संभावना रहती है, इसलिए, यदि प्रध्वंस रोग का प्रकोप देखा जाता है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 200 ग्राम/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी या ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% + टेबुकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफॉस 50 ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- खेत को अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान आधारी मात्रा के रूप में (डीएपी 44 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) या (यूरिया 22 किग्रा + एसएसपी 125 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) प्रयोग करें।

बोई गई फसल के लिए

- जिन किसानों ने पहले ही रोपाई पूरी कर ली है, रोपाई के 5-8 दिनों के बाद वे दानेदार शाकनाशी बेंसल्फ्यूरॉन-मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किग्रा/ एकड़ की दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलो रेत/एकड़ की दर से मिलाकर समान रूप से छिटकावा विधि से खेत में प्रयोग करें या रोपाई के 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-एथिल 10 डब्ल्यूपी 80 ग्राम/एकड़ की दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या रोपाई के 10-15 दिनों बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती निकलने की अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ की दर से या 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

- रोपे गए खेत में पीला तना छेदक और पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए धान के खेत में 5 मिलीग्राम ल्यूर/एकड़ के साथ 3 फेरोमोन ट्रैप लगाएं। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिराक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ की दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- बकाने रोग का प्रकोप दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।

पहले से ही स्थापित प्रतिरोपित धान फसल

- स्थापित प्रतिरोपित धान के खेत में 35 किग्रा/एकड़ की दर से 20-25 डीएटी (अधिकतम दौजियां निकलने की अवस्था) पर टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया डालें।
- यदि खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव-पूर्व/शीघ्र आविर्भाव वाली शाकनाशी प्रयोग नहीं किया गया है तो रोपाई करने के 15-20 दिनों बाद हाथों से निराई करें या चौड़े पत्ते वाले खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव पश्चात शाकनाशी पेनॉक्ससुलम 1.02% + साइहालोफॉप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली / एकड़ दर से प्रयोग करें।
- पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिराक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।

2. आर्द्र सीधी बुआई चावल

- यदि आविर्भाव-पूर्व शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई के 5-10 दिन के बाद आविर्भाव-पश्चात रेडी मिक्स दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किलोग्राम रेत में मिलाकर 4 किग्रा/एकड़ की दर से प्रयोग करें या बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ की दर से या 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या बुआई करने के 10-12 दिनों बाद खरपतवार की 2-3 पत्ती निकलने की अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें या बुआई करने के 15-20 दिनों बाद पेनोक्सुलाम 1.02% + साइहालोफाप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ की दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- दौजियों निकलने के समय (बुआई करने के 20-25 दिन) निराई के बाद प्रति एकड़ 24 किलो यूरिया क टॉप ड्रेसिंग करें।

- पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।
- प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित **riceXpert** मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।